

राजभवन में त्रिदिवसीय हनुमंत चरित्र कथा राष्ट्र के समृद्ध होने की कामना के साथ सम्पन्न

चार बिन्दुओं पर आधारित है हनुमान चालीसा

जयपुर, 20 अक्टूबर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र की पहल पर राजभवन में त्रिदिवसीय हनुमंत चरित्र कथा का समापन राष्ट्र व प्रदेश के समृद्ध होने की कामना के साथ सम्पन्न हुआ।

कथावाचक श्री अनुराग कृष्ण पाठक ने बताया कि नाम, रूप लीला और धाम चार बिन्दुओं पर हनुमान चालीसा आधारित है। यही चार बिन्दु समाज में सद्भाव और सौहार्द्र के वातावरण निर्माण के लिए जरूरी है। हमारी मति सद् होनी चाहिए, तब ही सुख-सम्पत्ति की प्राप्ति हो सकती है।

हनुमान चालीसा की चालीस चौपाईयों में मानव जीवन का सार है। मन की शांति और धैर्य से सेवा करने के लिए तप करना आवश्यक होता है।

तीसरे दिन की कथा में विधानसभा में प्रतिपक्ष नेता श्री गुलाब चन्द कटारिया, जयपुर नगर निगम के मेयर श्री विष्णु लाटा सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण, विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, शहर के मंदिरों के महन्त सहित अनेकगण मान्य नागरिक मौजूद थे।

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
सहायक निदेशक (जनसम्पर्क)
राज्यपाल, राजस्थान